Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भूगोल

मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त

अध्याय–8

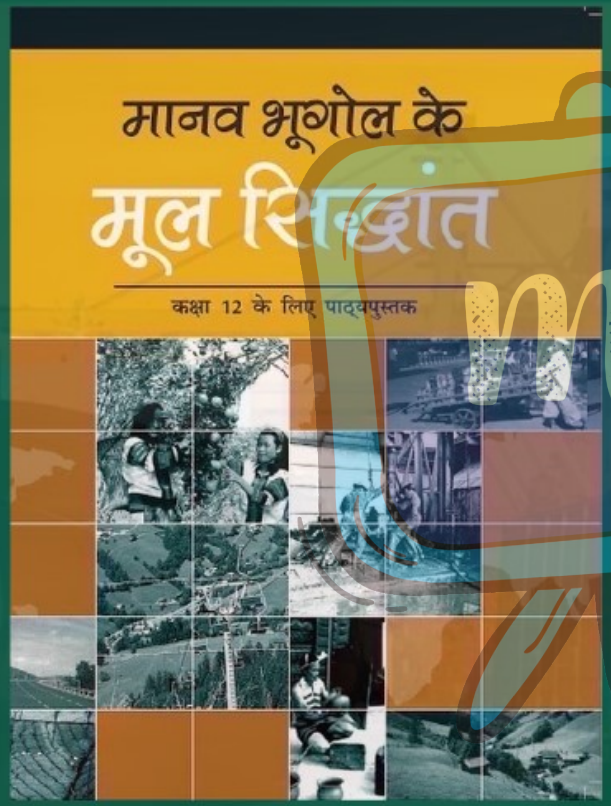
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

भाग - 3

पंकज वैष्णव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



विषय सूची

आमुख v
पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन vii

इकाई-1
अध्याय 1
मानव भूगोल
प्रकृति एवं विषय क्षेत्र 1-6

इकाई-2
अध्याय 2
विश्व जनसंख्या
वितरण, घनत्व और वृद्धि 7-12
अध्याय 3
मानव विकास 13-20

इकाई-3
अध्याय 4
प्राथमिक क्रियाएँ 21-34
अध्याय 5
द्वितीयक क्रियाएँ 35-43
अध्याय 6
तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप 44-52
अध्याय 7
परिवहन एवं संचार 53-69
अध्याय 8
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार 70-77

परिशिष्ट 78-80
शब्दावली 81-84

© NCERT not to be republished

C-3 : जनसंख्या संघटन ✗

C-10 : मानव बस्ती ✗

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- ऋणात्मक व्यापार संतुलन का मतलब है?

(a) आयात = निर्यात

(b) आयात > निर्यात

(c) आयात < निर्यात

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं



→ आयात > निर्यात
(ऋणात्मक)

→ आयात < निर्यात
(धनात्मक)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- धनात्मक या अनुकूल व्यापार संतुलन का अर्थ है :-

(a) आयात = निर्यात → शून्यात्मक / प्रतिकूल

(b) आयात > निर्यात → आयात > नि.

(c) आयात < निर्यात → धनात्मक / अनुकूल

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

आयात < निर्यात

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- विश्व व्यापार संगठन (WTO) का स्थापना वर्ष और मुख्यालय है :-

(a) 1964, पेरिस (फ्रांस)

(b) 1974, लंदन (ब्रिटेन)

(c) 1984, रोम (इटली)

(d) 1994, जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड)

1948 → GATT

1994 → WTO (1995)

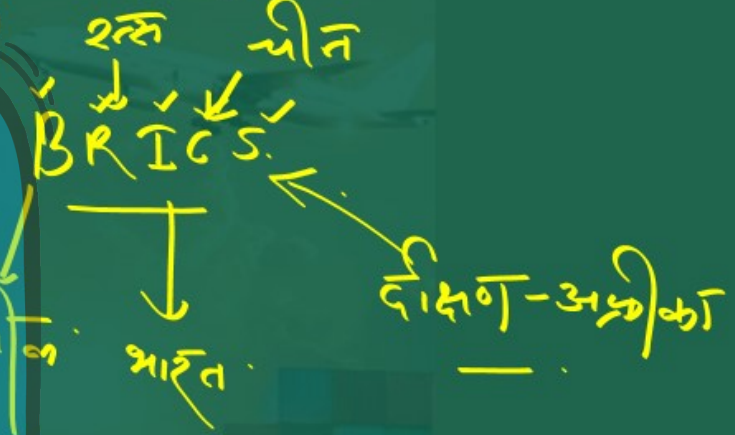
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- ब्रिक्स (BRICS) समूह में कौनसा देश शामिल नहीं है?

(a) रूस
(b) भारत
(c) चीन
(d) दक्षिण-अफ्रीका
(e) ब्रिटेन





Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- आसियान (ASEAN) समूह में आने वाले 10 देश विश्व के किस भाग से संबंधित है?

(a) उत्तर - पूर्व यूरोप

(b) दक्षिण - पश्चिम ऑस्ट्रेलिया

(c) दक्षिण - पूर्व एशिया

(d) उत्तर - पश्चिम अफ्रीका



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार

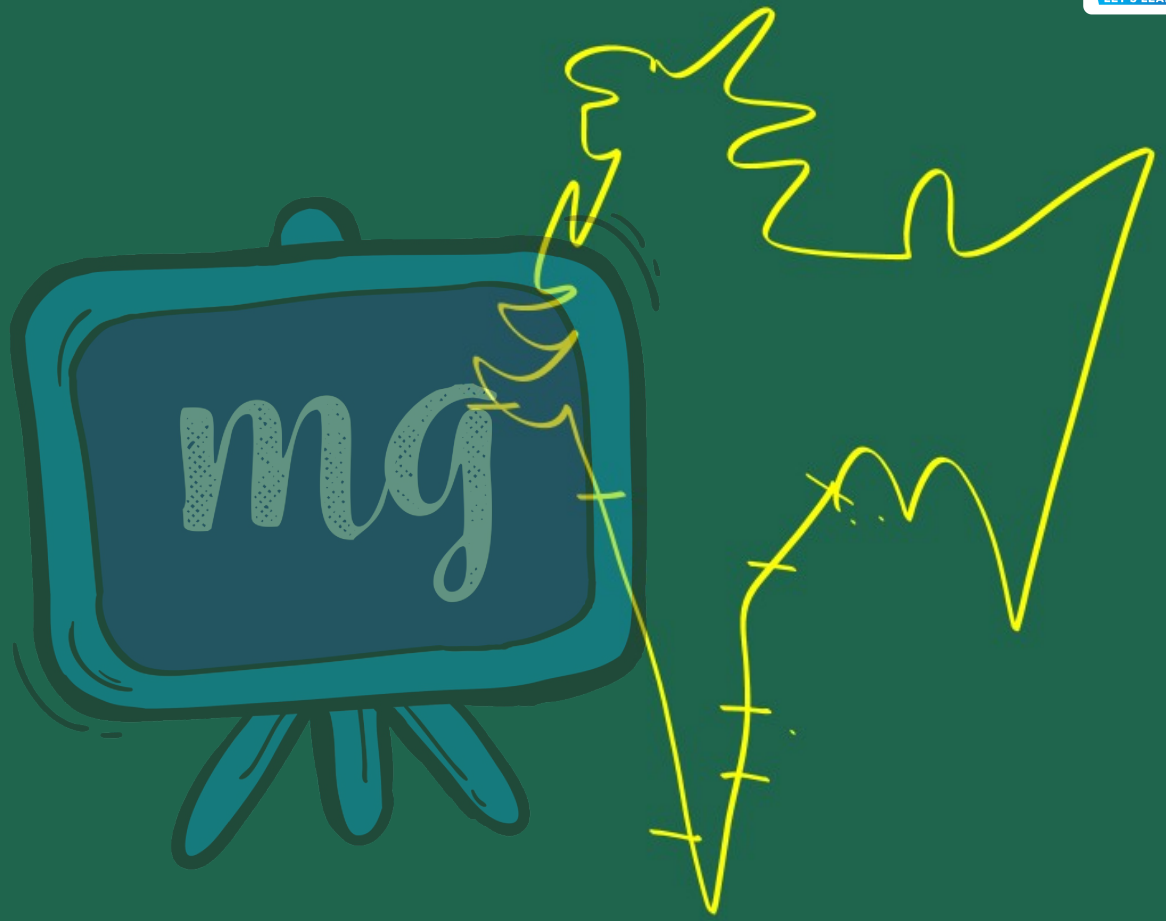


पत्तन

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की दुनिया के मुख्य प्रवेश द्वार पोताश्रय तथा पत्तन होते हैं। इन्हीं पत्तनों के द्वारा जहाज़ी माल तथा यात्री विश्व के एक भाग से दूसरे भाग को जाते हैं।

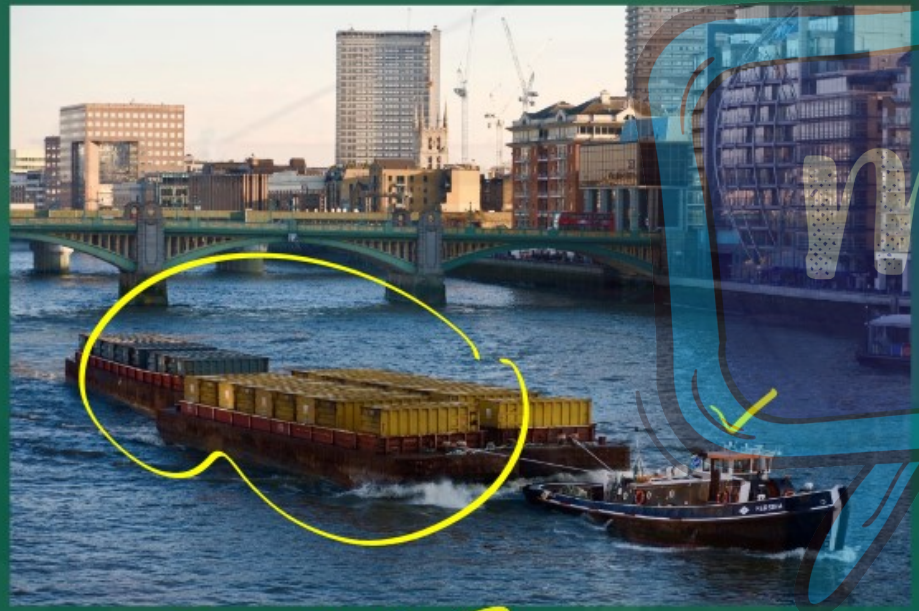
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



BARGE

पत्तन जहाज़ के लिए लादने, उतारने तथा भंडारण हेतु सुविधाएँ प्रदान करते हैं। इन सुविधाओं को प्रदान करने के उद्देश्य से पत्तन के प्राधिकारी नौगम्य द्वारों का रख-रखाव, रस्सों व बजरों (छोटी अतिरिक्त नौकाएँ) की व्यवस्था करने और श्रम एवं प्रबंधकीय सेवाओं को उपलब्ध कराने की व्यवस्था करते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

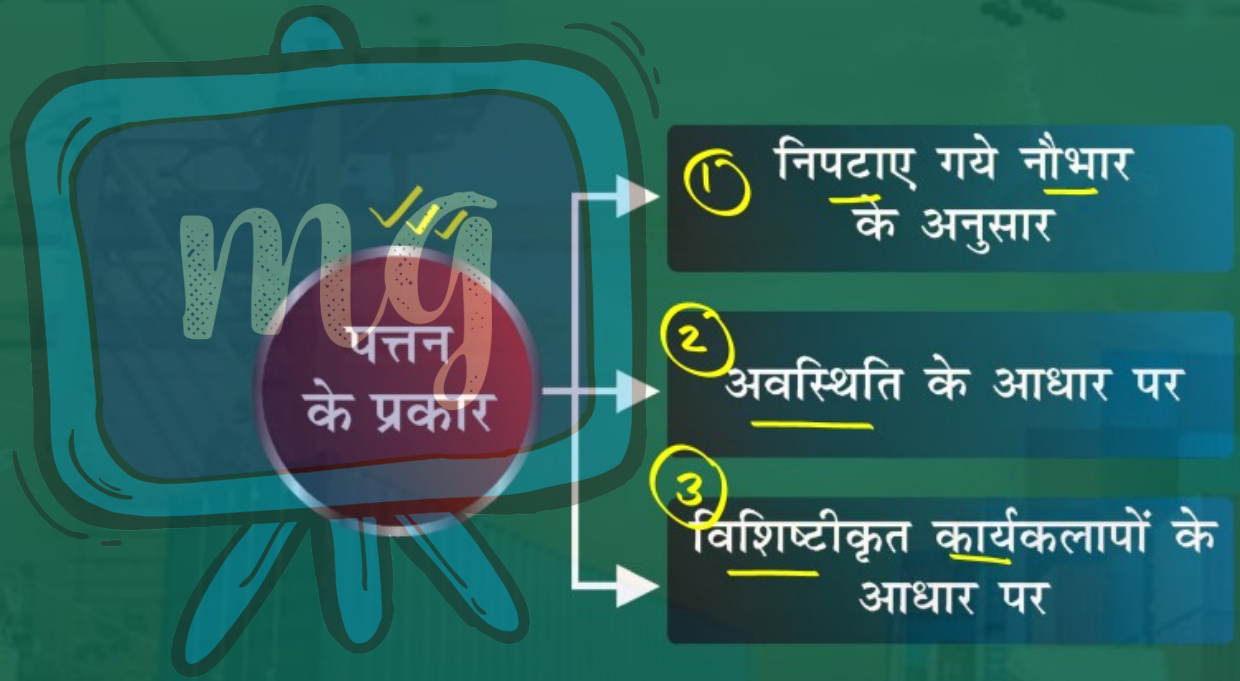
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



एक पत्तन के महत्त्व को नौभार के आकार और जहाजों की संख्या द्वारा निश्चित किया जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(CARGO)

1. नौभार के अनुसार पत्तनों के प्रकार :

(i) औद्योगिक पत्तन :- ये पत्तन थोक नौभार के लिए विशेषीकृत होते हैं जैसे-अनाज, चीनी, अयस्क, तेल, रसायन और इसी प्रकार के पदार्थ।

(ii) वाणिज्यिक पत्तन :- विनिर्मित वस्तुओं का निपटान करते हैं। ये पत्तन यात्री-यातायात का भी प्रबंध करते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

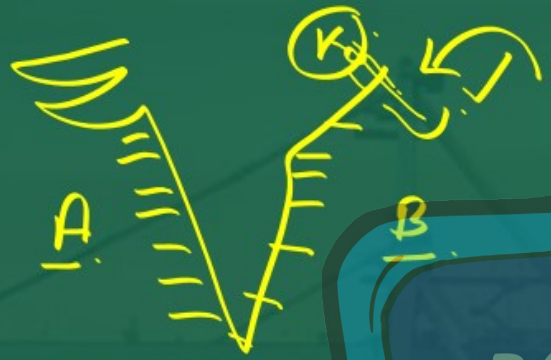


(iii) विस्तृत पत्तन :- ये पत्तन बड़े परिमाण में सामान्य नौभार व थोक नौभार प्रबंध करते हैं।

विश्व के बड़े पत्तन इसी वर्ग में।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER





2. अवस्थिति के आधार पर पत्तनों के प्रकार

(i) अंतर्देशीय पत्तन :- ये पत्तन समुद्री तट से दूर अवस्थित होते हैं। ये समुद्र से एक नदी अथवा नहर द्वारा जुड़े होते हैं। ऐसे पत्तन चौरस तल वाले जहाज़ या बजरे द्वारा ही गम्य होते हैं। BARGE

उदाहरणस्वरूप–मानचेस्टर (एक नहर से जुड़ा है) मेंफिस (मिसीसिपी नदी पर) ; (राइन के अनेक पत्तन हैं) जैसे–मैनहीम

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

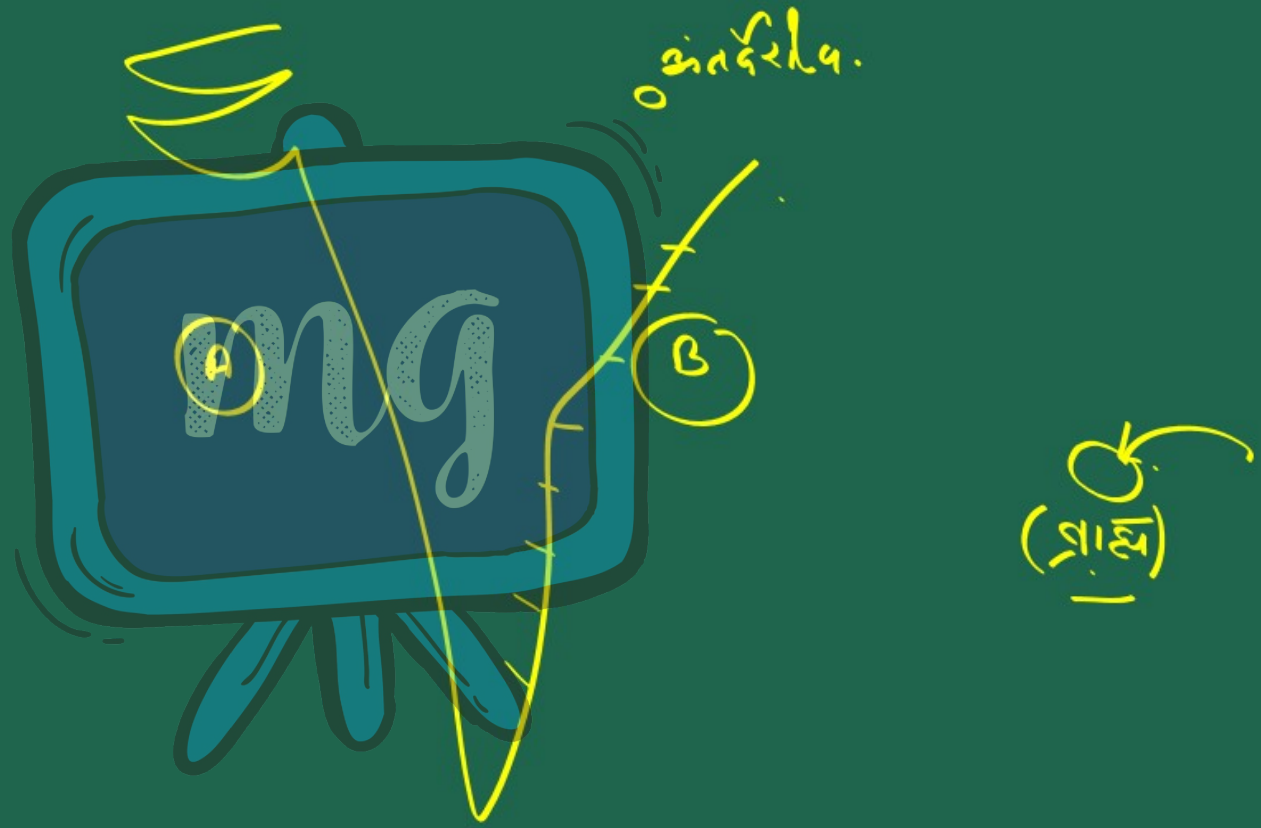


तथा ड्यूसबर्ग; और कोलकाता हुगली नदी, जो गंगा नदी की एक शाखा है।

(ii) बाह्य पत्तन :- ये गहरे जल के पत्तन हैं जो वास्तविक पत्तन से दूर बने होते हैं। ये उन जहाज़ों, जो अपने बड़े आकार के कारण उन तक पहुँचने में अक्षम हैं, को ग्रहण करके पैतृक पत्तनों को सेवाएँ प्रदान करते हैं।

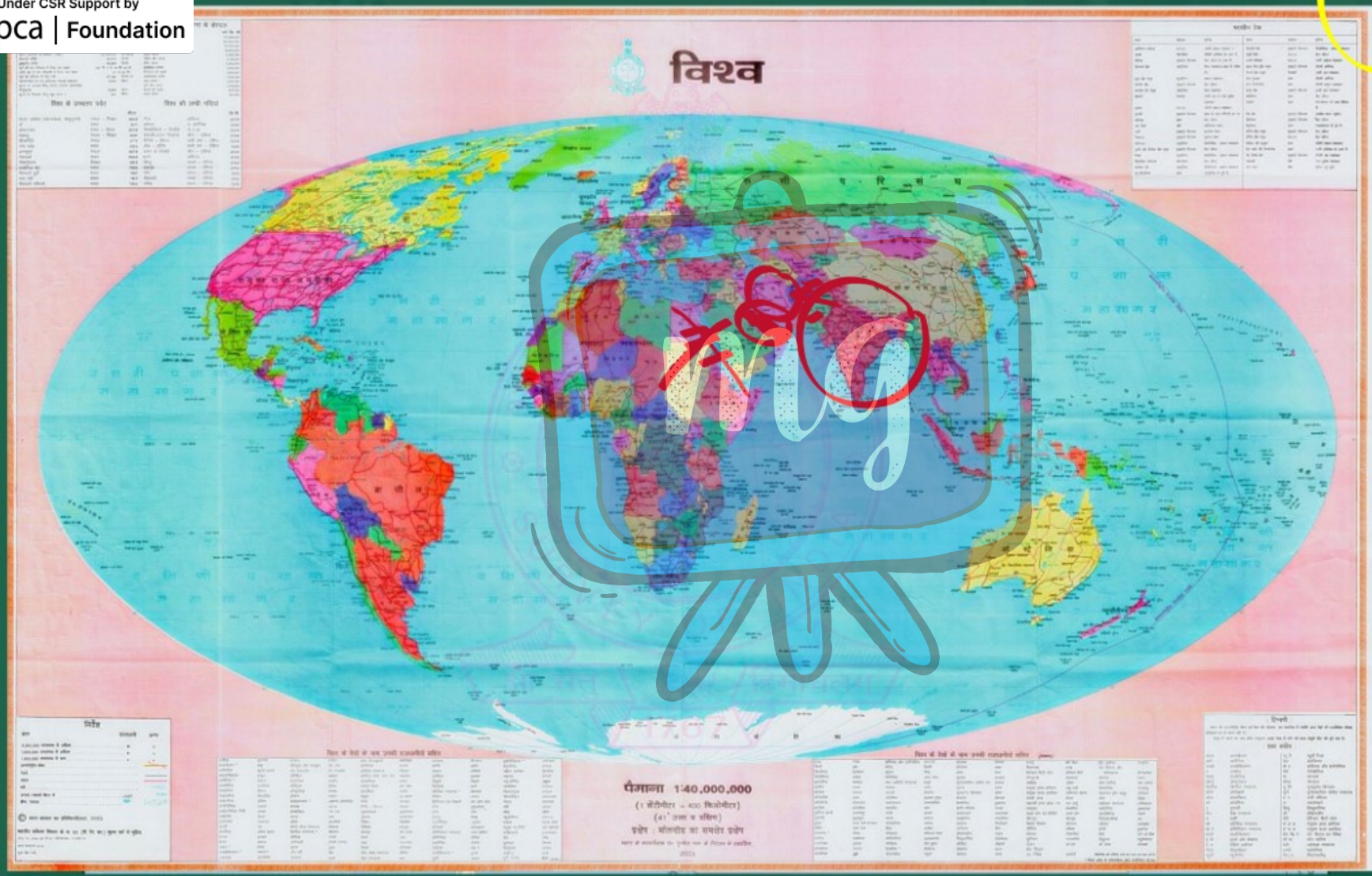
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



नौ-
कुछ
पत्तन
वेनेज़
(एस्स
हैं।
तेलङ

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



(ii) **मार्ग पत्तन (विश्राम पत्तन)**:- ये ऐसे पत्तन हैं, जो मूल रूप से मुख्य समुद्री मार्गों पर विश्राम केंद्र के रूप में विकसित हुए, जहाँ पर जहाज़ पुन : ईंधन भरने, जल भरने तथा खाद्य सामग्री लेने के लिए लंगर डाला करते थे।

बाद में, वे वाणिज्यिक पत्तनों में विकसित हो गए। अदन, होनोलूलू तथा सिंगापुर इसके अच्छे उदाहरण हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



(iii) पैकेट स्टेशन :- इन्हें फ़ेरी-पत्तन के नाम से भी जाना जाता है।

ये पैकेट स्टेशन विशेष रूप से छोटी दूरियों को तय करते हुए जलीय क्षेत्रों के आर-पार डाक तथा यात्रियों के परिवहन (आवागमन) से जुड़े होते हैं।

ये स्टेशन जोड़ों में इस प्रकार अवस्थित होते हैं कि वे जलीय क्षेत्र के आरपार एक दूसरे के सामने होते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- उदाहरणस्वरूप-इंग्लिश चैनल के आरपार इंग्लैंड में डोवर तथा फ्रांस में कैलाइस।

(iv) आंत्रपो पत्तन :- ये वे एकत्रण केंद्र हैं, जहाँ विभिन्न देशों से निर्यात हेतु वस्तुएँ लाई जाती हैं।

- सिंगापुर एशिया के लिए एक आंत्रपो पत्तन है, रोटरडम यूरोप के लिए और कोपेनहेगेन बाल्टिक क्षेत्र के लिए आंत्रपो पत्तन हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER





(v) नौ सेना पत्तन :- ये केवल सामरिक महत्त्व के पत्तन हैं। (रक्षा)

- ये पत्तन युद्धक जहाज़ों को सेवाएँ देते हैं तथा उनके लिए मरम्मत कार्यशालाएँ चलाते हैं।
- कोच्चि तथा कारवाड़ भारत में ऐसे पत्तनों के उदाहरण हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न

1. नीचे दिए गए चार विकल्पों में सही उत्तर को चुनिए :

(i) संसार के अधिकांश महान पत्तन इस प्रकार वर्गीकृत किए गए हैं-

क. नौसेना पत्तन

ख. विस्तृत पत्तन

ग. तैल पत्तन

घ. औद्योगिक पत्तन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(ii) निम्नलिखित महाद्वीपों में से किस एक से विश्व व्यापार का सर्वाधिक प्रवाह होता है?

क. एशिया

ख. यूरोप

ग. उत्तरी अमेरिका

घ. अफ्रीका

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



(iii) दक्षिण अमरीकी राष्ट्रों में से कौन-सा एक ओपेक का सदस्य है?

क. ब्राज़ील

ख. वेनेजुएला

ग. चिली

घ. पेरू

OPEC

Under CSR Support by
ipca | Foundation

साफ्टा

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



(iv) निम्न व्यापार समूहों में से भारत किसका एक सह-सदस्य है?

(a) साफ्टा (SAFTA)

(b) आसियान (ASEAN)

(c) ओइसीडी (OECD)

(d) ओपेक (OPEC)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए :

(i) विश्व व्यापार संगठन के आधारभूत कार्य कौन-से हैं?

उत्तर : (1) विश्व व्यापार संगठन एक ऐसा अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है जो कि राष्ट्रों के मध्य वैश्विक नियमों का व्यवहार करता है।

(2) यह विश्वव्यापी व्यापार तन्त्र के लिए नियमों को नियत करता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(3) यह विश्व को उच्च सीमा शुल्क और विभिन्न प्रकार की बाधाओं से मुक्त करवाता है।

(4) विश्व व्यापार संगठन इसके सदस्य देशों के मध्य व्यापार सम्बन्धी विवादों का निपटारा करता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(ii) ऋणात्मक भुगतान संतुलन का होना किसी देश के लिए क्यों हानिकारक होता है?

उत्तर :– जब किसी देश में आयातित वस्तुओं व सेवाओं का मूल्य देश के निर्यात मूल्य से अधिक होता है, तब वह देश ऋणात्मक भुगतान संतुलन की स्थिति में होता है। यह स्थिति उस देश में अन्तिम रूप में वित्तीय संचय की समाप्ति को अभिप्रेरित करती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(iii) व्यापारिक समूहों के निर्माण द्वारा राष्ट्रों को क्या लाभ प्राप्त होते हैं?

उत्तर : व्यापारिक समूहों के निर्माण से व्यापार की मदों में भौगोलिक सामीप्य, समरूपता तथा पूरकता प्राप्त होती है। इनके द्वारा विभिन्न देशों के मध्य व्यापार बढ़ाने तथा व्यापार पर प्रतिबन्ध हटाने में सहायता मिलती है। साथ ही सदस्य राष्ट्र को व्यापार शुल्क से मुक्ति मिलती है एवं मुक्त व्यापार के प्रोत्साहन से देश को अधिक

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

व्यापारिक लाभ प्राप्त होते हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 150 शब्दों से अधिक में न दें :

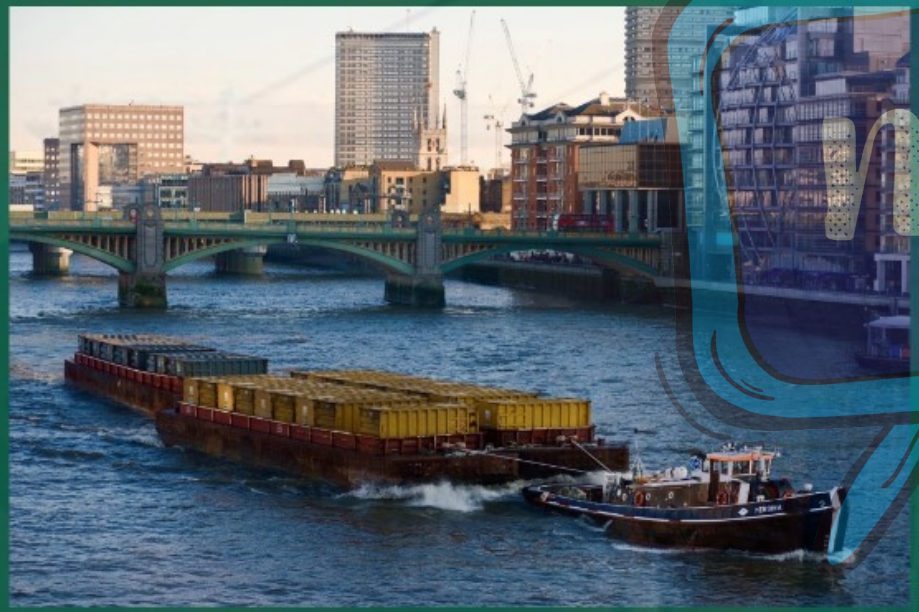
(i) पत्तन किस प्रकार व्यापार के लिए सहायक होते हैं? पत्तनों का वर्गीकरण उनकी अवस्थिति के आधार पर कीजिए।

उत्तर : पत्तन निम्नलिखित प्रकार से व्यापार के लिए सहायक होते हैं, यथा

(1) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की दुनिया के मुख्य प्रवेश द्वार पोताश्रय तथा पत्तन होते हैं। इन्हीं

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



BARGE

पत्तनों के द्वारा जहाजी माल तथा यात्री विश्व के एक भाग से दूसरे भाग को जाते हैं।

(2) पत्तन जहाज के लिए लादने, उतारने तथा भण्डारण के लिए सुविधाएँ प्रदान करते हैं। इन सुविधाओं को प्रदान करने के उद्देश्य से पत्तन के प्राधिकारी नौगम्य द्वारों का रख-रखाव, रस्सों, बजरों अर्थात् छोटी अतिरिक्त नौकाओं की व्यवस्था करने और श्रम एवं प्रबन्धकीय सेवाओं को उपलब्ध करवाने की व्यवस्था करते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(3) एक पत्तन के महत्व को नौभार के आकार और निपटान किए गए जहाजों की संख्या द्वारा निश्चित किया जाता है।



अवस्थिति के आधार पर पत्तनों का वर्गीकरण

अवस्थिति के आधार पर पत्तनों को निम्नलिखित वर्गों के अन्तर्गत वर्गीकृत किया गया है

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(1) अन्तर्देशीय पत्तन अन्तर्देशीय पत्तन समुद्र तट से दूर अवस्थित होते हैं। ये समुद्र से एक नदी अथवा नहर के द्वारा जुड़े होते हैं। इस प्रकार के पत्तन चौरस तल वाले जहाज या बजरे द्वारा ही गम्य होते हैं, यथा–मानचेस्टर पत्तन सागर से एक नहर द्वारा जुड़ा हुआ है तथा मेंफिस पतन मिसीसिपी नदी द्वारा सागर से जुड़ा है। इसी प्रकार मैनहीम एवं ड्यूसवर्ग पत्तन राइन नदी द्वारा तथा कोलकाता पत्तन हुगली नदी द्वारा सागर से

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

जुड़े हुए हैं।

(2) बाह्य पत्तन–बाह्य पत्तन गहरे जल के पत्तन हैं जो कि वास्तविक पत्तन से दूर बने होते हैं। ये उन जहाजों, जो कि अपने बड़े आकार के कारण उन तक पहुँचने में अक्षम हैं, को ग्रहण करके पैतृक पत्तनों को सेवाएँ प्रदान करते हैं। यथा–एथेन्स तथा यूनान में इसके बाह्य पत्तन पिरेइअस से उच्च कोटि का संयोजन देखने को मिलता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(ii) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से देश कैसे लाभ प्राप्त करते हैं?

उत्तर : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार उत्पादन में विशिष्टीकरण का परिणाम है। यदि विभिन्न राष्ट्र वस्तुओं के उत्पादन या सेवाओं की उपलब्धता में श्रम विभाजन तथा विशेषीकरण को प्रयोग में लाए तो यह वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए लाभदायक होता है। अर्थात् अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार वस्तुओं के तुलनात्मक लाभ, परिपूरकता तथा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

हस्तान्तरणीयता के सिद्धान्तों पर आधारित होता है। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से देश निम्न प्रकार से लाभ प्राप्त करते हैं

(1) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से विभिन्न वस्तुओं तथा सेवाओं के अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों में अधिक भिन्नताएँ नहीं मिलती हैं। वस्तुतः अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार वस्तुओं तथा सेवाओं के मूल्य नियंत्रण में प्रभावी भूमिका निभाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(ii) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार द्वारा विश्व के कुछ विकासशील देशों में बाह्यत्रोतन के कार्य से एक ओर लाखों व्यक्तियों को रोजगार मिला है, वहीं दूसरी ओर बाह्यस्त्रोतन करने वाले देशों को पर्याप्त पूँजी की प्राप्ति होती है।

(iii) कुछ देशों में कुछ वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन, आवश्यकता से अधिक होता है, जबकि कुछ देशों में उन वस्तुओं एवं सेवाओं की

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कमी होती है। ऐसी स्थिति में वस्तुओं और सेवाओं का अधिक उत्पादन करने वाले देश, इन वस्तुओं व सेवाओं का निर्यात दूसरे अल्प उत्पादित देशों में करने लगते हैं। इस प्रकार अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में भागीदार देश वस्तुओं व सेवाओं का लाभ उठाते हैं।

(iv) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार द्वारा विदेशी सम्बन्धों में उल्लेखनीय सुधार होता है, जिससे देशों में सामाजिक व सांस्कृतिक विकास होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

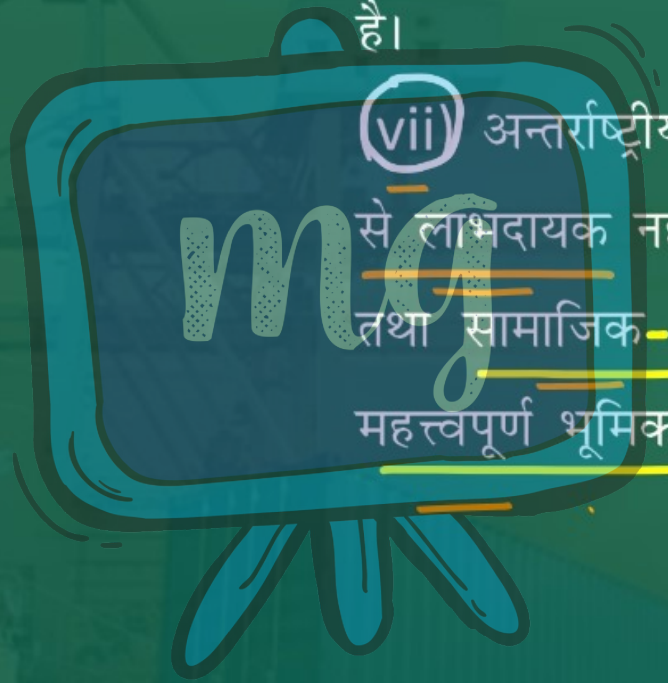
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(v) आयातित उत्पादों एवं सेवाओं के द्वारा आयात करने वाले देश की जनसंख्या के जीवन स्तर में सुधार आता है, जबकि निर्यात करने वाले देश को निर्यात के बदले भारी मात्रा में पूँजी प्राप्त होती है। इस पूँजी से निर्यात करने वाले देश अपने आर्थिक विकास को गति प्रदान करते हैं।

(vi) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से विभिन्न राष्ट्रों में वस्तुओं के उत्पादन या सेवाओं की उपलब्धता में श्रम विभाजन का विशिष्टीकरण को बल मिलता

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



है।

(vii) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार केवल आर्थिक दृष्टि से लाभदायक नहीं होते वरन् यह विश्व शान्ति तथा सामाजिक-सांस्कृतिक विकास में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका भी निभाता है।